पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 3, अंक 35 माह - फरवरी 2022, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥ विचार समिति ॥

(स्थापना वर्ष 2003)

महिलाओं द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर भारत के मानचित्र का प्रदर्शन

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष
मो. 9009780020

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष
मो. 8462880439

आकांक्षा मलैया
सचिव
मो. 9165422888

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

पता - 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि. के पीछे, सागर (म.प्र.) - 470002

हेल्पलाइन नं. 9575737475, 07582-224488

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 3, अंक - 35, फरवरी - 2022

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि.
के पीछे, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002
Email: sanstha.vichar@gmail.com
Phone: 9575737475
07582-224488

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट
पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,
रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

इस अंक में

आलेख :-

1. क्रोध और निराशा को पल में दूर करता है ध्यान 4
2. समाज की बुनियाद एक नारी 7

विचार समिति की गतिविधियां :-

1. मप्र के पहले सहकारी स्वदेशी वस्तु भंडार का हुआ शुभारंभ 9
2. ठंड में जरूरतमंदों को कंबल प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य 11
3. गोबर से निर्मित उत्पादों की तैयारियां 12
4. 73 आत्मनिर्भर महिलाओं ने ग्राम मोठी में तिरंगा लहराकर बनाया भारत का मानचित्र 13
5. झंडावंदन झलकियां 15
6. झंडावंदन पर सदस्यों के विचार 18
7. ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्र छात्राओं की इंटर्नशिप का सफल समापन 20
8. मोहल्ला विकास योजना : नई टीम का गठन 21

मीडिया कवरेज :-

मीडिया कवरेज :- 22

क्रोध और निराशा को पल में दूर करता है ध्यान

कपिल मलैया
वरिष्ठ शिक्षक
आर्ट ऑफ लिविंग

दैनिक जीवन में आप सभी प्रकार की परिस्थितियों के संयोग में आते हैं, जो चुनौतीपूर्ण व आप पर भार डालने वाली हो सकती हैं। ये परिस्थितियां मन की विभिन्न अवस्थाओं को जन्म देती हैं। इसलिए आप को जागरूकता के ऐसे स्तर की आवश्यकता है जिससे आप अच्छा चयन कर सकें।

ध्यान मन की विभिन्न अवस्थाओं के बीच संतुलन ला सकता है। आप भीतर के कठोर पहलु तथा नाज़ुक पहलु में अदल-बदल करना सीख सकते हैं। ये क्षमता सभी में उपस्थित है और ध्यान आपको इन अवस्थाओं के बीच सहजता से करने के लिए समर्थ बनाता है। ये सारा अभ्यास कठोर और नाज़ुक पहलुओं के बीच आगे-पीछे करने की क्षमता का विकास करने के लिए है।

ध्यान न कर सकने की बड़ी बाधाओं में एक ये है कि लोगों के पास पर्याप्त समय नहीं है। इस पर भी यदि वे ध्यान करना आरंभ करते हैं, तो पाते हैं कि ध्यान के लिए समय निकाला जा सकता है और यदि हम ध्यान करते है तो हमारी कार्य करने की क्षमता बढ़ जाती है। जिससे की हमें दूसरे काम करने में कम समय लगने लगता है जिस काम को हम दो घंटे में कर पाते थे उसे अब हम एक घंटे में कर पाते हैं। व्यक्ति के दैनिक जीवन में ध्यान के अनुकलन से चेतना की पांचवीं अवस्था जिसे ब्रह्म चेतना कहते हैं, प्रकट होती है। ब्रह्म चेतना का अर्थ है समग्र ब्रह्माण्ड को स्वयं के भाग रूप में समझना। जब हम विश्व को हमारे भाग की तरह गोचर करते हैं, प्रेम प्रभावशाली रूप से विश्व तथा हमारे बीच प्रवाहित होता है। ये प्रेम हमें जीवन के विरोधात्मक बलों एवं उपद्रवों पर काबू पाने के लिए सशक्त करता है। क्रोध और निराशा पल भर के लिए आकर ओझल हो जाने वाली क्षणिक भावनाएं मात्र बन जाती हैं।

विश्राम व क्रिया विरोधाभासी मूल्य हैं,

लेकिन वे एक दूसरे के पूरक हैं। आप जितनी गहराई में विश्राम करने में सक्षम हैं, क्रिया में आप उतने ही अधिक गतिशील होंगे। चंचलता, उग्रता, इच्छाएं और महत्वाकांक्षा मन को उत्तेजित करते हैं और उसे भविष्य की योजनाओं में या भूतकाल के बारे में खिन्न व व्यस्त रखते हैं। सच्ची मुक्ति अतीत और भविष्य से मुक्ति है।

ज्ञान, समझदारी और अभ्यास का संगम जीवन को सम्पूर्ण बनाते हैं। नियमित अभ्यास दिन भर शांति और उर्जा तथा विकसित सजगता बनाए रखने के लिए आपके तंत्रिका तंत्र को उन्नत करके आपके जीवन की गुणवत्ता को पूरी तरह से बदल देते हैं।

ध्यान लगाने की विधि -

घर पर ध्यान करने के लिए सबसे पहले आपको शांतिपूर्ण जगह चुननी होगी। इसे सुबह के समय खाली पेट करेंगे तो ज्यादा अच्छा है। जमीन पर मैट बिछाकर बैठ जायें। अपनी दोनों आंखें बंद करें। ध्यान करते समय सीधा बैठना चाहिये। अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें। कंधे और गर्दन को विश्राम दें। इसे करने से पहले थोड़ा वार्मअप (कसरत) करें। उसके बाद अपनी दोनों आंखों को बंद करे और ध्यान लगायें। ध्यान करते समय लंबी और गहरी सांस लेनी चाहिए। सांस को स्थिर रखें। आपका मन शांत हो जाएगा। दोनों आंखे बंद कर अपने चेहरे पर मुस्कान रखें। ध्यान करने के बाद अपनी आंखें धीरे धीरे खोलें।

ध्यान करने के कुछ मुख्य लाभ -

1. अशांत मन को शांत करता है – ध्यान उन व्यक्तियों के लिए बहुत लाभदायक है जिनका चित्त (मन) बहुत अशांत रहता है। एक व्यक्ति कभी भी अपने कार्य को ठीक तरह से नहीं कर सकता यदि मन शांत नहीं है। ध्यान का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह नकारात्मक विचारों को दूर करता है और सकारात्मक विचार व्यक्ति के मस्तिष्क में आते हैं।

2. स्वास्थ्य लाभ मिलता है – ध्यान करने से व्यक्ति का शरीर स्वस्थ और निरोगी बनता है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। रक्तचाप में कमी आती है। व्यक्ति का तनाव कम होता है, स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है। वृद्ध होने की गति कम होती है। यही वजह है कि आजकल ध्यान और योग बहुत प्रसिद्ध हो गया है। बड़े-बड़े नेताओं से लेकर बॉलीवुड सेलिब्रिटी, बड़े बिजनेसमैन सभी इसे करने लगे हैं।

3. ध्यान ऊर्जावान बनाता है – जो लोग प्रतिदिन सुबह उठकर ध्यान करते हैं वे नई ताजगी से भर जाते हैं। बासीपन, जड़ता और थकावट दूर होती है। रचनात्मक कार्य करने वालों के लिए ध्यान करना बेहद जरूरी है। इससे उन्हें नई रचनात्मक शक्ति मिलती है। चुस्ती फुर्ती मिलती है।

4. आत्मज्ञान की प्राप्ति – ध्यान करने से बहुत तरह का लाभ है। इसे करने से व्यक्ति स्वयं से परिचित होता है। वह अपने बारे में अधिक से अधिक जान पाता है और उसे आत्मज्ञान की प्राप्ति होती है। ध्यान करने से

व्यक्ति को अपने जीवन का उद्देश्य पता चलता है।

5. व्यक्ति की सहनशीलता बढ़ती है – ध्यान करने से व्यक्ति की सहनशीलता बढ़ती है। अक्सर हम सभी देखते हैं कि हमारे जीवन में छोटी मोटी कठिनाई, तनाव, समस्या आने से हम विचलित हो जाते हैं। आजकल तो छोटी मोटी बात पर ही लोग आत्महत्या कर लेते हैं।

पत्नी से झगड़ा होने पर लोग आत्महत्या कर लेते हैं। नौकरी छूट जाने पर लोग अपने जीवन को समाप्त कर लेते हैं। शादी विवाह टूट जाने पर परेशान हो जाते है। इस तरह अपनी जिंदगी में हम सभी छोटी-मोटी समस्याओं का सामना करते हैं, पर इसका यह अर्थ नहीं कि हम अपनी जीवन लीला समाप्त कर लें। ध्यान करने से व्यक्ति की सहनशीलता बढ़ती है।

6. ध्यान लगाने से चिंता कम होती है – यह बात पूर्णता सत्य है। बौद्ध धर्म में भगवान गौतम बुद्ध भी ध्यान और योग को महत्वपूर्ण बताते हैं। उन्होंने स्वयं ध्यान लगाकर ज्ञान को प्राप्त किया था। इसलिए रोजमर्रा के मानसिक तनाव और चिंता को दूर करने के लिए नियमित रूप से मेडिटेशन करें।

7. ध्यान से स्वयं का शुद्धिकरण होता है – जो लोग प्रतिदिन ध्यान करते हैं उनका मन, आत्मा और शरीर का शुद्धिकरण होता रहता है। जिस प्रकार से मैला हो जाने पर कपड़ों को साफ किया जाता है, उसी प्रकार ध्यान हमारे नकारात्मक विचारों को दूर भगाता है और हमारा मन आत्मा और शरीर को शुद्ध बनाता है। इसे करने से हमारा मस्तिष्क पहले से अधिक तेजी से काम करने लगता है और सकारात्मक दिशा में काम करता है।

8. ध्यान करने से व्यक्ति ईश्वर के करीब आता है – ध्यान का कोई धर्म नहीं है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, किसी भी धर्म के लोग इसे कर सकते हैं। यह संपूर्ण मनुष्य जाति के लिए है। इसे करने से व्यक्ति ईश्वर के करीब आता है।

9. छात्रों को विशेष लाभ – ध्यान करने से छात्रों को विशेष रूप से लाभ होता है। जो छात्र प्रतिदिन ध्यान करते हैं उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, पढ़ाई में मन लगता है, याददाश्त बढ़ती है, पढ़ा हुआ याद रहता है। उनका ध्यान यहां वहां नहीं भटकता है। छात्र अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। उनका स्वभाव अच्छा रहता है। मन और विचारों में सकारात्मकता बनी रहती है। जिससे छात्र पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। वे तेजी से चीजों को सीख पाते हैं।

10. जीवन में उत्साह लाता है – बहुत से लोग अपने जीवन में उत्साह की कमी से ग्रस्त होते हैं। वे बस जिए जा रहे हैं, उन्हें अपने जीवन का न तो कोई उद्देश्य दिखता है और न ही कोई अर्थ। ऐसे लोगों को ध्यान अवश्य करना चाहिए। बिना उत्साह के किसी भी कार्य में सफलता नहीं मिलती है, जीवन बोझ लगता है। उत्सुकता जीवन के लिए आवश्यक तत्व है।

समाज की बुनियाद - नारी

एड. प्रियंका तिवारी
भोपाल

जिस तरह एक इमारत की नींव अगर पक्की न हो तो वह इमारत ज्यादा समय तक नहीं टिक पाती, एक ही झटके से इमारत नीचे गिर जाती है।

इसी प्रकार हमने कई समाजिक लोगों से यही बातें सुनी है कि अगर नारी कुछ भी ऐसे कदम उठाए जो समाज की नजर में लड़कियों को नहीं उठाना चाहिए। तो ये समाज क्या कहेगा? वो आखिर में समाज बना किससे? नर और नारी से एवं उनकी सोच से। कई बार यह कहते सुना है की नारी चाहे तो घर बना दे या बिगाड़ दे। समाज में जो भी अब तक युद्ध, महायुद्ध, रामायण, महाभारत अपने अंतिम आयाम तक पहुंचे हैं इनके पीछे नारी को ही मानते हुए सुना होगा। न तो मंथरा कैकयी को भड़काती न ही कैकयी राम का बनवास मांगती न ही लक्ष्मण सुपर्णखा की नाक काटते और न रावण सीता को हरता, न ही राम को सीता की परीक्षा लेनी पड़ती। इसी प्रकार द्रोपती का चीर हरण, द्रोपती के शब्द अंधे का पुत्र अंधा व अपने ही पतियों द्वारा जुएं पर दांव पर लगाना कहां की सामाजिक परंपरा को दर्शाता है? समाज ने हमेशा नारी पर ही दोष को गढ़ा न उसने पुरुष के लालच और न ही उनकी मंशा को कभी ध्यान में रखा और नारी इसी प्रकार प्रताड़ित होती रही।

प्राचीन वैदिक काल से ही नारी को समानता का अधिकार था व अपने वर चुनने का भी अधिकार था यदि न होता तो सीता का स्वयंवर कैसे होता या सती या पार्वती शिव के लिए इतनी कड़ी तपस्या क्यों करती और द्रोपती अर्जुन की परीक्षा मछली के बहाने कैसे लेतीं, कोई भी यज्ञ तब तक पूरा नहीं होता जब तक स्त्री पुरूष साथ जोड़े से न बैठ जायें। कोई पिता अकेले ही पुत्री का कन्यादान उसकी माता के बिना नहीं कर सकता।

शास्त्रों के अनुसार तो स्त्री अपने निर्णय लेने में हमेशा से स्वतंत्र रही है। स्त्री को ही समाज व घर की बुनियाद कहा जाता है व धर्म कहता है जहां स्त्री का सम्मान न हो वहां तो देवता भी निवास नहीं करते तो फिर क्यों हम केवल स्त्री से ही मान मर्यादा में रहने की बातें की जाती हैं। कभी हमने समाज में यह बातें नहीं सुनी की पुरुष चाहे तो घर बना दे या बिगाड़ दे, जबकि पुरुष हुक्म जमाने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। स्त्री के साथ यदि दुष्कर्म जैसी घटनाएं हो जाए तो उसे घृणा व बिचारी के रूप में समझा जाता है। कुछ ऐसी टिप्पणियां सुनी जाती है कि आधी रात को घर से निकलेगी, आधे कपड़े पहनेगी तो यही होगा, जरूर इसने ही हवा दी होगी, वरना ऐसा क्यों होता परंतु क्यों अपराधी और अपराध पर नजर नहीं डाली जाती। लोग अपनी बेटी की शादी करते हैं, मां-बाप अपनी बेटी को समझाते हैं, बेटा ससुराल में सबकी सुनना कोई जवाब मत देना क्यों यह नहीं समझाते की कुछ भी हो जो तुम्हारी ससुराल की महिलाओं ने बुरी चीजें सही हों उसको व उसकी

पूरी बुरी प्रथा को खत्म करने की कोशिश करना। एक लड़की की मां जिसने अपनी पुत्री को पैदा किया यही समाज उस मां को मजबूर करता है कि बेटी की शादी के लिए। अगर शादी हो ही गई तो यही समाज लड़की अपने मायके में ज्यादा रहे तो पूछने के हजार बहाने ढूंढने लगते हैं।

यह मानसिक प्रताड़ना हर मां बाप, उस स्त्री को सहन करनी होती है। क्यों हमेशा एक स्त्री से ही इस समाज, परिवार और देश ने उम्मीद लगा रखी है और अगर उम्मीद लगा ही रखी है तो क्यों आखिर आज भी जब हम एक स्वतंत्र भारत में रह रहे हैं।

इतने अधिकार मिल गए हैं तब भी अपने घर की स्त्रियों को पढ़ाने में उनकी शिक्षा पर ध्यान नहीं देते। शिक्षा केवल किताबी नहीं होती नैतिक भी होती है, समाज की कुरीतियों के विरुद्ध भी होती है और मानवता की भी होती है। आखिर स्त्री को सहन करना ही सिखाया जाता है क्यों? गलत के खिलाफ कदम उठाना नहीं सिखाया जाता।

जब घर की बुनियाद ही अच्छी नहीं होगी तो घर कैसे और समाज कैसे बनेगा और समाज नहीं तो देश कैसे बढ़ेगा। तो क्यों न हम सब अपनी नींव पर फोकस करें। कहते हैं एक पुरूष पढ़ता है तो केवल वो पढ़ता है पर जब एक स्त्री पढ़ती है तो पूरा परिवार पढ़ता है तो क्यों न हम लोग भी अपनी बेटी, बहू, बहन, मां आदि को उनके नेक इरादों में मजबूत करने की शिक्षा दें, क्यों न हम लोग अपने वेदों की ओर लौट चलें जहां स्त्रियों को सम्मान व स्वतंत्रता का अधिकार था और उनकी इच्छा का पूरा ख्याल रखा जाता था चाहे वह सीता हो, पार्वती हो या द्रोपती हो सभी माताओं ने अपने धर्मों का पालन किया। सीता ने अपने पति राजाराम पर कोई ऊंगली न उठाये इसलिए उनका राजमहल छोड़ दिया था।

सती जिन्होंने अपने पिता के घर में अपने पति शिव के अपमान पर स्वयं को यज्ञ में भस्म कर दिया और द्रोपती जिसने अपने अपमान के लिए उस सभी को जो भरे दरबार में एक स्त्री की लाज न बचा सका। उन सबके खिलाफ कदम उठाने की प्रतिज्ञा ली। स्त्री स्वयं खुद में परिपूर्ण है। मां जानकी ने अपने पुत्रों लव-कुश का अकेले ही पालन पोषण कर साबित कर दिया कि वह अपने पुत्रों को अकेले रहकर भी पाल सकती हैं। नारी ने अपनी ताकत को आज से नहीं शुरूआत से ही साबित किया परंतु उसके बावजूद भी समाज या यूं कहें कि समाज के वह बहरूपिये जो खुद को धर्म का ज्ञाता मानते हैं, उनकी बातों में न आकर अपने घर की बुनियाद को मजबूत बनाया जाये। अभी हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा स्त्रियों की शादी की उम्र सीमा 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष कर दी जो पुरूष के समान है।

इस पारित प्रस्ताव से हमारे समाज व हमारे देश के लिए यह फायदेमंद साबित होगा। काफी अपराध, बाल-विवाह, स्त्रियों की मानसिकता सभी पर बदलाव आ जाएगा। उसके बावजूद भी राजनीति के कुछ अनपढ़ लोग समझ नहीं पाये और तर्क वितर्क में लग गए परंतु मैं सराहना करती हूं उन लोगों की जिन्होंने अपने देश की बुनियादी कामयाबी पर ध्यान दिया।

मप्र के पहले सहकारी स्वदेशी वस्तु भंडार का हुआ शुभारंभ : विवेक चतुर्वेदी

माधव अंत्योदय बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था मर्यादित सागर द्वारा कटरा बाजार में स्वदेशी वस्तु भंडार का शुभारंभ हुआ।

माधव अंत्योदय बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था मर्यादित सागर द्वारा आज कटरा बाजार स्थित सबरंग क्लाथ के बाजू में, जवाहरगंज वार्ड में स्वदेशी वस्तु भंडार का शुभारंभ हुआ। स्वदेशी वस्तु भंडार का मुख्य उद्देश्य देश, प्रदेश में निर्मित रोजमर्रा की जरूरत के ऐसे सभी उत्पाद जैसे किराना सामग्री, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, गौ आधारित उत्पाद, कुटीर, लघु एवं गृह उद्योग में निर्मित उत्पाद, सूखे मेवे, स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर निर्मित उत्पाद को यह स्थान अनुकूलित मंच प्रदान करता है। इसके साथ ही क्षेत्रीय स्तर पर जो भी कलात्मक वस्तुएं, खाद्य सामग्री, आर्गेनिक सब्जी, फूलों की वैरायटी, बरी, पापड़, अचार आदि के लिए भी यह एक मील का पत्थर साबित होगा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मातृ शक्ति के द्वारा जिसमें मुख्य रूप से डॉ. स्मिता दुबे, डॉ. वंदना गुप्ता, संध्या रांधेलिया, विनीता केशरवानी, विशाखा देव, प्रीति मलैया, शालिनी मलैया, मंजू मगन, सपना शुक्ला आदि ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर विवेक चतुर्वेदी राष्ट्रीय प्रमुख श्रम प्रकोष्ठ सहकार भारती ने कहा कि मप्र के पहले सहकारी स्वदेशी वस्तु भंडार का सागर के कटरा बाजार में शुभारंभ हुआ है जो प्रदेश के हर जिले में रोल माडल का कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि स्वदेशी वस्तुएं खरीदने का विचार तो सभी के मन में होता है लेकिन वह एक जगह उपलब्ध नहीं हो पातीं। सहजता देखते हुए कुछ वस्तुएं स्वदेशी तो कुछ विदेशी खरीद लेते हैं।

स्वदेशी वस्तु भंडार का शुभारंभ मातृ शक्ति द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा कि हमें वोकल फॉर लोकल के लिए यह भंडार केंद्र रोजगार की दिशा में संजीवनी का कार्य करेगा।

संस्था के सहप्रबंधक नितिन पटैरिया ने बताया कि हमारा प्रयास है एक कदम स्वावलंबन की ओर, वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी अपनाएं विदेशी हटाएं, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना, बुंदेलखंड में सहकारिता एवं स्वदेशी को स्थापित करना है।

विशाखा गृह उद्योग की संचालिका विशाखा देव ने बताया कि हम शुद्ध परिष्कृत रूप से चखली, लड्डू, चिप्स, श्वेताम्बरी पाउडर आदि स्वदेशी उत्पाद बनाते हैं। स्वदेशी वस्तु भंडार के माध्यम से इस उद्योग को काफी बढ़ावा मिलेगा। इससे महिलाओं को रोजगार भी मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन नितिन पटैरिया ने किया, अंत में आभार सचिव अनिल अवस्थी ने माना।

कार्यक्रम में संघ के प्रांत कार्यवाह सुनील देव, विभाग संघ चालक जीएस चौबे, नगर संघ चालक सुभाष कंड्या भी उपस्थित थे।

संस्था के पदाधिकारी चयनित

संस्था में पदाधिकारियों का चयन हुआ है जो इस प्रकार हैं। अध्यक्ष कपिल मलैया, उपाध्यक्ष मनोरमा गौर, नरेन्द्र साहू, सचिव अनिल अवस्थी, संचालक मंडल सदस्य महेन्द्र पटेल, अवधेश बलैया, विकास सेन, शिल्पी जैन, राजकुमारी पांडे, अंशुल खरे, चंद्रहास श्रीवास्तव, समिति प्रबंधक अनिल यादव, सह प्रबंधक नितिन पटैरिया, विशेष सहयोगी सुनीता अरिहंत हैं।

ठंड में जरूरतमंदों को कंबल प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य : आकांक्षा मलैया

स्व. निर्मल कुमार जैन (मुनीम साहब) व्यवस्थापक कारेलाल कुंदनलाल ट्रस्ट के श्रद्धांजलि के अवसर पर विचार मोहल्ला विकास की टीमों के सहयोग से जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया।

स्व. कुंदनलाल सिंघई संस्थापक कारेलाल कुंदनलाल ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष कंबल वितरण का आयोजन किया जाता है। यह कंबल वितरण स्व निर्मल कुमार जैन (मुनीम साहब) व्यवस्थापक कारेलाल कुंदनलाल ट्रस्ट को श्रद्धांजलि देते हुए किया जाता है। इस वर्ष भी विचार समिति प्रांगण में विचार मोहल्ला विकास की टीमों के सहयोग से जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया।

इस अवसर पर विनय मलैया ने कहा कि यह एक अच्छी पहल है। ठंड में जरूरतमंदों के लिए एक कंबल एक सेतु का काम करता है। वहीं विचार संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि ठंड में जरूरतमंदों को कंबल प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य है। इसके लिए सभी को आगे आना चाहिए, ताकि जरूरतमंद लोग भी सर्दी में चैन की नींद सो सकें। इस पुनीत कार्य में भुवनेश सोनी, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, अरविंद अहिरवार, प्रियंका, भाग्यश्री उपस्थित थीं।

गोबर से निर्मित उत्पादों की तैयारियां

विचार कार्यालय में गोमय निर्मित उत्पादों का निर्माण कार्य कुशलता के साथ किया जा रहा है। श्री भकने के मार्गदर्शन में समिति परिवारों ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया था जिसमें गोबर से निर्मित घड़ी, मोमेंटो, बंदनवार, झूमर, पेन स्टैंड, ट्रॉफी, मालाएं एवं धूपबत्ती आदि सामग्री को बड़े ही आकर्षक रूप के साथ बनाना सीखा था। अब यह सामग्री समिति टीम बड़े ही उत्कृष्ट डिजाइनिंग, गुणवत्ता एवं पूर्ण तरीके से बनवा रही है। निर्माण टीम में विनय चौरसिया, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति भाग्यश्री राय, प्रियंका कुर्मी, जवाहर दाऊ, एवं अरविंद अहिरवार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। टीम कुशल परीक्षण उपरांत जल्द ही मोहल्ला विकास योजना एवं स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा नए उत्पादों को बनाने का कार्य करेगी। गोमय उत्पाद पूर्णता स्वास्थ्यवर्धक, स्वदेशी, किसी भी तरह का रासायनिक प्रयोग न होने से काफी हद तक बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोमय निर्मित मालाएं पहनने से व्यक्तित्व के विकास में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

गोमय बंदनवार, झूमर, घड़ी, वॉल डिजाइन घर को एक नया आकर्षण प्रदान करते हैं। एक प्राकृतिक वातावरण का निर्माण करते हैं। इनका अपना अलग ही महत्व है। गोमय निर्मित उत्पादों से जहां एक तरफ स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्वदेशी वस्तुओं को लाभ मिलेगा वहीं दूसरी तरफ स्वरोजगार के माध्यम से अनेक परिवार आर्थिक रूप से सक्षम हो सकेंगे। गौ माता को संरक्षण एवं संवर्धन प्राप्त होगा साथ ही भारतीय संस्कृति समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

समिति की 73 आत्मनिर्भर महिलाओं ने ग्राम मोठी में तिरंगा लहराकर बनाया भारत का मानचित्र

73वें गणतंत्र दिवस पर 1100 विचार मोहल्ला परिवारों ने किया घर-घर झंडावंदन

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर ग्राम मोठी में 73 महिलाओं ने झंडावंदन किया

विचार समिति द्वारा भारत के नक्शे के आकार में राष्ट्रीय तिरंगा झंडा हाथों में लेकर मानव श्रृंखला बनाई। इस अवसर पर 1100 घरों में समिति द्वारा झंडा वंदन का आयोजन किया गया। यह आयोजन समिति से जुड़े मोहल्ला परिवारों के सदस्यों द्वारा घर-घर कार्यक्रम के तहत किया गया। कार्यक्रम में कोरोना नियमों का पालन करते हुए गणतंत्र दिवस को परिवार सहित हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। हाथों में तिरंगा झंडा लेकर मानव श्रृंखला ग्राम मोठी में बनाई गई। इसमें 73 महिलाएं 73 तिरंगे झंडे लेकर बड़े मैदान में भारत के नक्शे के आकार में खड़ी हुईं। इस मनोहारी दृश्य को बनाने में ड्रोन कैमरे की मदद ली गई।

कार्यक्रम के पीछे का मुख्य उद्देश्य बताते हुए विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि हमारी समिति का उद्देश्य है सागर वासियों के प्रत्येक परिवार द्वारा घर-घर झंडा वंदन कार्यक्रम किया जाए। जिससे उनके अंदर एक भारत -

आत्मनिर्भर भारत की भावना प्रबल हो। साथ ही देश की समृद्धि, खुशहाली व सुरक्षा की हर सागरवासी कामना करे।

सागर स्थित ग्राम मोठी निवासी विचार समन्वयक निर्मला राजपूत ने बताया कि हमारे ग्राम व आसपास के गांवों से 180 महिलाएं विचार समिति से जुड़ कर कार्य कर रही हैं जिससे समिति के चलने वाले सतत् कार्यक्रमों से महिलाओं का आत्मबल बढ़ा है।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि गणतंत्र दिवस के पहले विचार कार्यालय में तैयारियां की गई। मोहल्ला विकास योजना के परिवारों, विचार सहायकों एवं विचार सहयोगी संस्थाओं तक झंडावंदन की सामग्री पहुंचाने का कार्य किया गया। प्रत्येक सदस्य को झंडावंदन कैसे करना है इसकी पूरी जानकारी लीफलेट एवं वीडियो के माध्यम से दी गई। समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि 15 अगस्त को भी ग्यारह सौ जगह झंडावंदन किया गया था। गणतंत्र दिवस के अवसर पर भी झंडावंदन कार्यक्रम रचनात्मकता के साथ किया जाए इस विचार से 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर समिति की 73 आत्मनिर्भर महिलाएं भारत के नक्शेनुमा आकार में खड़ी होकर झंडावंदन करें। समिति की सहायक एड. अभिलाषा जाटव व उनकी टीम ने झंडावंदन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति के सहायकों व पदाधिकारियों के साथ मोहल्ला-मोहल्ला पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया था।

विचार परिसर में झंडावंदन किया गया।

झंडावंदन के इस पुनीत कार्य में राहुल अहिरवार, माधव यादव, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, प्रियंका कुर्मी, भाग्यश्री राय, जवाहर दाऊ, विनय चौरसिया, अरविंद अहिरवार उपस्थित थे।

झंडावंदन - झलकियां

संध्या जैन, गोपालगंज

उमाकांत विश्वकर्मा, तुलसीनगर वार्ड

प्राची जैन, राजीव नगर वार्ड

नीमा पंथी, राजीव नगर वार्ड

लक्ष्मी सोनी, लक्ष्मी नगर वार्ड

ममता अहिरवार, तुलसी नगर वार्ड

अखिलेश समैया, इंद्रप्रस्थ कालोनी

राम भैया, रजाखेड़ी मकरोनिया

मनीषा नामदेव, नई गल्ला मंडी

जे.सी. पवार, राहतगढ़

विनीता केशरवानी, सदर

आलोक जैन, संजय नगर, शिवाजी वार्ड

यशवंत सिंह चौधरी, तिली

मीना पटैल, सेमराबाग

प्रभुदयाल पटैल, सदर

पूनम मेवाती, तिलकगंज

सरस्वती मौर्य, सदर

प्रीति केशरवानी, विजय टॉकीज

रितु बावरे, रामपुरा वार्ड

पूजा पड़ेले, कटरा

राजेश सिंघई, सागर

संजीव दिवाकर, तीनबत्ती

मथुरा जैन, मकरोनिया

नीता दिवाकर, सागर

सुकुमार जैन, नैनधरा

नंदिनी, दीप्ति, रितु कैंट

कांची जैन, आईटीआई के सामने

एच.सी. जैन, मकरोनिया

पद्मा जैन, माता मढ़िया

झंडावंदन पर सदस्यों के विचार

झंडा वंदन को लेकर हम काफी उत्साहित रहे। कोरोना काल में इस कार्यक्रम ने नई ऊर्जा प्रदान की। आसपास के लोग भी काफी उत्साहित रहते हैं कि बाजू में ही झंडा वंदन हो रहा है। स्कूलों के बाद अब हमें झंडा वंदन करने का अवसर मिला।

– मनोज जैन, एचएस मेडिको कटरा

तिरंगा झंडा वंदन कार्यक्रम बहुत ही अच्छा रहा। हमारे साथ घर, परिवार, मोहल्ले के सभी लोगों ने बड़े उत्साह, हर्षोल्लास के साथ इस कार्यक्रम को संपन्न कराने में अपना सहयोग दिया। इस कार्यक्रम को लेकर बच्चों में अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा था समिति की नेक पहल के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

पदमा जैन, विजय टॉकीज

कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया, राष्ट्रगान गाया, कुछ वीर सपूतों की कहानियां सुनाई, नृत्य गीत कार्यक्रम आयोजन किया जिसमें बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

ज्योति सराफ, मकरोनिया

73वें गणतंत्र दिवस आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। समिति के आव्हान पर हम सभी ने घर-घर झंडा वंदन की थीम पर झंडा वंदन कार्यक्रम संपन्न किया। इस कार्यक्रम में हम सभी बहुत खुश एवं उत्साहित हैं। समिति के सभी पदाधिकारी, अधिकारियों एवं सदस्यों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

प्रीति केशरवानी, विजय टाकीज रोड

हम सभी ने तुलसी नगर में 73वे गणतंत्र दिवस के अवसर पर 73 झंडा वंदन किए जिसमें विशिष्ट अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम से बहुत ही अच्छा लगा। पूरे मोहल्ले ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ इस कार्यक्रम को मनाया। मुझे विचार समिति सदस्य समन्वयक होने पर गौरव महसूस होता है। इसके लिए समिति का बहुत-बहुत धन्यवाद।

ममता अहिरवार, तुलसी नगर

15 अगस्त और 26 जनवरी राष्ट्रीय पर्व को मनाने की समिति ने बहुत ही नेक पहल की है। इस झंडावंदन में बच्चे, युवाओं, महिलाएं और बुजुर्गों को झंडावंदन करने का अवसर प्राप्त हुआ। मैंने समिति के राष्ट्रीय कार्यक्रम तिरंगा यात्रा हो, 15 अगस्त का झंडा वंदन रहा हो या 26 जनवरी का झंडा वंदन। सभी कार्यक्रमों को परिवार सहित सभी पड़ोसियों के साथ बड़े ही उत्साह के साथ मनाया। यह बड़े ही गर्व की बात है कि समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया जी द्वारा सागर को एक नई पहचान के रूप में स्थापित किया जा रहा है।

आलोक जैन, संजय नगर, शिवाजी वार्ड

झंडा वंदन करने से हमें बहुत ही अच्छा लगा। झंडा वंदन करते समय हमें गौरव महसूस होता है। राष्ट्रहित का मौका मिला इससे बड़ा सौभाग्य और कुछ नहीं है। हम अपने देश के प्रति वफादार हैं। हम अपने देश की आन-बान-शान के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

मंजू सतभैया, विजय टॉकीज

यह बहुत ही अच्छी बात है। अब हर घर में झंडा वंदन होता है। इसमें हमारे अंदर राष्ट्रीय भावना जागृत होती है। हमारे समाज के युवा, बच्चे, देश के नागरिक जो सभी बड़े उत्साह से झंडा वंदन करते हैं। बच्चों में राष्ट्रीय प्रेम की भावना जागृत होती है। कोरोना काल के चलते हम लोग भीड़ वाली जगहों से बचे रहे और हम राष्ट्रीय पर्व पर अपने घर पर झंडा

वंदन करके देशभक्ति की भावना बराबर जागृत होती रहे मैं विचार समिति का हृदय से धन्यवाद करता हूं कि हमें इसके माध्यम से यह अवसर प्राप्त हुआ।

विजयंत सिंघई, गेंड़ा जी कांपलेक्स

विचार समिति का बहुत ही सराहनीय प्रयास है एक नया अनुभव है, हमने राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी 2022 को अपने निजी निवास पर ध्वजारोहण का अनुभव अद्भुत रहा स्वयं के द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रीय तिरंगे झंडे को सलामी देने का अद्भुत आनंद की शब्दों में व्याख्या करना नामुमकिन है उसको मात्र अनुभव किया जा सकता है। विचार समिति की हम सभी बहुत बहुत आभारी हैं। गणतंत्र दिवस अमर रहे।

इंद्रजीत सिंह, रजाखेड़ी

विचार समिति की ओर से हम सभी सदस्यों ने परिवार के साथ मिलकर 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को अपने निवास पर ध्वजारोहण किया। बच्चों तथा बड़ों के मन में बहुत ही खुशी और उत्साह रहा। हम सभी विचार संस्था को दिल से आभार प्रकट करते हैं धन्यवाद।

नीमा पंथी, रविशंकर वार्ड सागर

हमेशा से ही झंडा फहराने का अवसर किसी सम्मानित व्यक्ति जैसे मंत्री नेता या किसी बड़े पद पर आसीन व्यक्ति को दिया जाता रहा है क्योंकि झंडा फहराना बड़े ही गर्व की बात है परंतु जब विचार समिति द्वारा हमें झंडा फहराने का अवसर मिला तो हमने बहुत ही हर्ष और गौरव के साथ झंडा फहराया और स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया।

मनीषा नामदेव,
नई गल्ला मंडी

तिरंगा फहराने का अलग ही गौरव महसूस होता है सबसे अच्छी बात यह है की विचार समिति द्वारा यह सौभाग्य हमें प्राप्त हुआ। मन में बहुत अच्छा लगता है। हम, बच्चे व वार्डवासियों के साथ इस देशभक्ति की लहर में शामिल हुए। विचार समिति परिवार को धन्यवाद-साधुवाद।

प्रभा साहू, भगवान गंज वार्ड

झंडा वंदन कार्यक्रम हम सभी के लिए विशिष्ट भावनाओं से भर देने वाला रहा। हम सभी ने बड़े उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को संपन्न कराया। सभी मोहल्ले की महिलाओं ने इसमें भरपूर सहयोग दिया।

मधु मौर्य, पुरानी सदर

हमारे वार्ड में 20 जगह झंडा वंदन विचार समिति के सहयोग के माध्यम से किया गया जिसमें वार्ड के सभी लोगों ने ऐसी महामारी के बीच रहते हुए अपने देश भक्ति के भाव को पूरे उत्साह के साथ व्यक्त किया तथा हर घर में तिरंगा फहराया और जिन लोगों ने कभी झंडा वंदन नहीं किया उनको झंडा वंदन करने का अवसर मिला। उससे सभी लोगों में खुशी का माहौल रहा। बच्चों ने झंडा बांधना, कब उतारना, पूजन करना तथा कौन सा रंग ऊपर रखना आदि सीखा। विचार समिति के सभी सदस्यों एवं कपिल भैया जी को समस्त वार्ड वासियों की तरफ से धन्यवाद-आभार।

मीना पटेल, प्राचार्य सेमरा बाग

मैं विचार समिति को धन्यवाद देना चाहती हूं कि विचार के माध्यम से हम महिलाओं को झंडा वंदन करने का अवसर मिला। इस गणतंत्र दिवस को हमने त्योहार के रूप में मनाया। कोरोना काल में जहां बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे थे उन बच्चों ने झंडा वंदन का महत्व समझा और जाना अपनी प्रस्तुतियां भी दी। मैं विचार समिति का बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं।

दीप्ति कुशवाहा, कैंट 26 नंबर गेट रेलवे

ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्र छात्राओं की इंटर्नशिप का सफल समापन

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत एवं मुख्य संगठक नितिन पटैरिया इंटर्न को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए।

समिति द्वारा आरंभ की गई इंटर्नशिप में 25 छात्र-छात्राओं को वर्चुअल एवं नॉन वर्चुअल माध्यम से 2 माह का प्रथम प्रशिक्षण कुशलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस इंटर्नशिप के माध्यम से उन्हें पुस्तकीय ज्ञान के साथ व्यवहारिक दक्षता में बारीकियों को समझने में निपुण बनाना, कार्यपद्धति मजबूत और कमजोर पक्षों को क्षेत्र विशेष में पूर्णकालिक सीखने और समझने का स्वर्णिम अवसर होता है। इस इंटर्नशिप मे उन्हें प्रोफेशनल नेटवर्क बनाना जो रिफरेंस के तौर पर कार्य करते हैं। इंटर्न के अंदर मैनेजमेंट स्किल्स का विकास करना, जिससे वे एक बड़ी टीम लीडर के साथ काम कर सकें। इंटर्नशिप में रिसर्च प्रोजेक्ट, मैनेजमेंट, केस स्ट्डी, पार्टनरशिप एनवायरमेंट, एंप्लॉयमेंट, एजुकेशन, हेल्थ एंड हाइजीन पर अध्ययन किया।

इंटर्न वैष्णवी पांडे ने बताया इंटर्नशिप करने का बहुत ही अच्छा अनुभव रहा। फील्डवर्क के साथ गोमय प्रोजेक्ट पर काम किया। समिति लोगों में जागरूकता के साथ सोशल सेक्टर के क्षेत्र में बहुत ही अच्छा कार्य कर रही है। समिति के सदस्य बहुत ही हेल्पफुल तरीके से कार्य करते हैं। समिति द्वारा संचालित इंटर्नशिप में स्थानीय एवं अन्य स्थानों के विद्यार्थी प्रतिभाग करने के लिए योग्यता - पोस्ट ग्रेजुएशन, ग्रेजुएशन, अध्ययनरत ग्रेजुएशन के छात्र-छात्राएं आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। पूरी जानकारी के लिए विचार समिति की वेबसाइट www.vicharsamiti.in पर उपलब्ध है।

मोहल्ला विकास योजना : नई टीम का गठन

राजीव नगर वार्ड में कार्यकारी अध्यक्ष के साथ नई टीम की समन्वयक नीमा पंथी व पालक

समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना विगत 3 वर्षों से बुंदेलखंड के चहुंमुखी विकास पर कार्यरत है। इस योजना का उद्देश्य मोहल्ला परिवारों में सामाजिक दायित्व, जिम्मेदारी, परस्पर सहयोग की भावनाओं का विकास करना, साथ ही जागरूक करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, नशा मुक्ति अभियान, प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के साथ स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना है।

मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत वर्तमान में 125 टीमों के साथ 12500 परिवार समिति के साथ कार्यरत हैं। इसी लक्ष्य के साथ समिति कार्यकारिणी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने राजीव नगर वार्ड में नई टीम की गठन प्रक्रिया को संपन्न कराया। उन्होंने महिलाओं को बताया कि एक समन्वयक, 10 पालक तथा 100 परिवार मिलकर 111 परिवारों साथ मिलकर मोहल्ला टीम का गठन करते हैं। यह सभी परिवारों में एक दूसरे के साथ मिलकर अपने मोहल्ला परिवार में आपसी सहयोग के साथ कार्य करते हैं। सह सहमति से से चयनित राजीव नगर टीम समन्वयक नीमा पंथी जी ने बताया हम सभी समिति से जुड़कर अपने मोहल्ले में अपनत्व के साथ कार्य करेंगे। सभी महिलाएं बहुत ही उत्साहित हैं। स्व सहायता समूह अध्यक्ष सेवंती पटेल के यहां बैठक में मोहल्ला विकास योजना पर चर्चा की गई। साथ ही श्रीमति अरिहंत ने महिलाओं से उनकी समस्याओं को जाना। सभी महिलाओं ने एक बदलाव की दिशा में कदम से कदम मिलाने का आश्वासन दिया।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 09-01-2022

शुभारंभ • माधव अंत्योदय बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था मर्यादित ने कटरा में स्वदेशी वस्तु भंडार शुरू किया

राज्य का पहला सहकारी स्वदेशी वस्तु भंडार प्रदेश के हर जिले में रोल मॉडल बनने का कार्य करेगाः चतुर्वेदी

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर। कटरा में स्वदेशी वस्तु भंडार का शुभारंभ हुआ।

माधव अंत्योदय बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था मर्यादित द्वारा शनिवार को कटरा बाजार में स्वदेशी वस्तु भंडार का शुभारंभ हुआ। स्वदेशी वस्तु भंडार का मुख्य उद्देश्य देश, प्रदेश में निर्मित रोजमर्रा की जरूरत के ऐसे सभी उत्पाद जैसे किराना सामग्री, सौंदर्य प्रसाधन सामग्री, गौ आधारित उत्पाद, कुटीर, लघु एवं गृह उद्योग में निर्मित उत्पाद, सूखे मेवे, स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर निर्मित उत्पादों को अनुकूलित मंच प्रदान करना है। इसके साथ ही क्षेत्रीय स्तर पर भी कलात्मक वस्तुएं, खाद्य सामग्री, आर्गेनिक सब्जी, फूलों की वैरायटी, बरी, पापड़, अचार आदि को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. स्मिता दुबे, संध्या रांधेलिया, विनीता केशरवानी, प्रीति मलैया, शालिनी मलैया, मंजू मगन, सपना शुक्ला ने दीप प्रज्वलित किया।

एक कदम स्वावलंबन की ओरः नितिन पटैरिया

इस दौरान श्रम प्रकोष्ठ सहकार भारती के राष्ट्रीय प्रमुख विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि मप्र के पहले सहकारी स्वदेशी वस्तु भंडार का सागर के कटरा बाजार में शुभारंभ हुआ है। जो प्रदेश के हर जिले में रोल मॉडल का कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि स्वदेशी वस्तुएं खरीदने का विचार तो सभी के मन में होता है लेकिन वह एक जगह उपलब्ध नहीं हो पातीं। सहजता देखते हुए कुछ वस्तुएं स्वदेशी तो कुछ विदेशी खरीद लेते हैं। डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा कि हमें वोकल फॉर लोकल के लिए यह भंडार केंद्र रोजगार की दिशा में संजीवनी का कार्य करेगा। संस्था के सहप्रबंधक नितिन पटैरिया ने बताया कि हमारा प्रयास है एक कदम स्वावलंबन की ओर, वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी अपनाएं विदेशी हटाएं, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना, बुंदेलखंड में सहकारिता एवं स्वदेशी को स्थापित करना है।

महिलाओं को रोजगार भी मिलेगा

विशाखा गृह उद्योग की संचालिका विशाखा देव ने बताया कि हम शुद्ध परिष्कृत रूप से चखली, लड्डू, चिप्स, श्वेताम्बरी पाउडर आदि स्वदेशी उत्पाद बनाते हैं। स्वदेशी वस्तु भंडार के माध्यम से इस उद्योग को काफी बढ़ावा मिलेगा। इससे महिलाओं को रोजगार भी मिलेगा। वहीं इस दौरान संस्था के पदाधिकारियों का चयन हुआ है। जिसमें अध्यक्ष कपिल मलैया, उपाध्यक्ष मनोरमा गौर, नरेंद्र साहू, सचिव अनिल अवस्थी, संचालक मंडल सदस्य महेंद्र पटेल, अवधेश बलैया, विकास सेन, शिल्पी जैन, एनबी राजकुमारी पांडे, अंशुल खरे, चंद्रहास श्रीवास्तव, समिति प्रबंधक अनिल यादव, सह प्रबंधक नितिन पटैरिया, विशेष सहयोगी सुनीता अरिहंत हैं। इस मौके पर संघ के प्रांत कार्यवाह सुनील देव, विभाग संघ चालक जीएस चौबे, नगर संघ चालक सुभाष कंड्या आदि मौजूद थे।

दैनिक भास्कर बीना भास्कर 03-01-2022

दैनिक भास्कर रहली . गढ़ाकोटा . देवरी . बंडा

दैनिक भास्कर मंडे पॉजिटिव

विचार समिति का नवाचार

गोबर की माला से लेकर घड़ी, मोमेंटो, झूमर, मोबाइल और पेन स्टैंड बना रहीं महिलाएं, कलर से वॉल पेंट भी करती हैं

भास्कर संवाददाता | सागर

गोबर से बनी लकड़ी और मूर्तियां तो देखी ही होंगी। इनका चलन पिछले 2 सालों से तेजी से बढ़ा है। अब सागर की महिलाएं इससे भी एक कदम आगे बढ़कर गोबर से ही घड़ी, आईना, मोमेंटो, झूमर से लेकर मोबाइल और पेन के स्टैंड बना रही हैं। इतना ही नहीं वे तुलसी की माला की तरह गोबर की माला भी तैयार कर रही हैं। जो देखने में हूबहू तुलसी की माला की तरह ही लगती है। गोबर से उन्होंने एक विशेष कलर तैयार किया है जिससे वे वॉल पेंटिंग भी करती हैं। महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे यह सभी आइटम अपने आप में न सिर्फ अनूठे दिखाते हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भी यह बेहद मददगार साबित हो सकते हैं। गोबर से निर्मित सामग्री स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बन रही हैं। गोबर से बनी सामग्री 2 रुपए से लेकर 5 हजार रुपए तक में बाजार में आने लगी है।

मजबूती के लिए मिट्टी, ऑर्गेनिक प्रीमिक्स भी मिलाते हैं

विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया गोबर की आइटम में मजबूती के लिए गोबर को बेहद बारीक पीसते हैं फिर उसे बारीक छानते हैं। यह गोबर सिर्फ हरा चारा खाने वाली गायों से ही लेते हैं। इसमें ऑर्गेनिक प्रीमिक्स मिलाते हैं। जिसमें ग्वारगम, इमली पाउडर, साबूदाना पाउडर आदि मिला रहता है। इससे मजबूती आती है। गोबर में 15% प्रीमिक्स मिलाते हैं। 15% मुल्तानी मिट्टी भी मिलाते हैं। शेष 70% गोबर ही रहता है। इसको बनाने की विधि में बेहद सावधानी रखना पड़ती है। पानी की मात्रा भी निर्धारित मात्रा में ही रखना होती है। तभी जाकर मजबूती रहती है।

पहले गोकास्ट, दीपक और मूर्ति बनाती थीं, अब 5 दिन की ही ट्रेनिंग में नई सामग्री बनाने में भी हो गईं ट्रेंड

शहर की विचार समिति के विचार मोहल्ला समूह से जुड़ी 200 से अधिक महिलाएं करीब 2 साल से गोकास्ट और मूर्ति बनाने का काम कर रही हैं। इस बार के गणेशोत्सव में उन्होंने हजारों की संख्या में मूर्तियां बनाकर खुले बाजार में बेचीं और दीपावली पर गोबर के दीये और पूजन सामग्री भी बनाई थी। कोरोना संक्रमण के दौरान गोकास्ट भी मुक्तिधाम के लिए उपलब्ध कराई। समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं को और ट्रेंड करने के लिए नागपुर के स्वानंद गौविज्ञान केंद्र के जितेंद्र भकने और भाग्यश्री भकने को बुलाया। उन्होंने महिलाओं और युवतियों को गोबर से बनने वाली विभिन्न सामग्री की तकनीक सिखाई। भकने दंपती पिछले डेढ़ दशक से गोबर से जुड़ी विभिन्न सामग्रियों का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया अब गोबर से फर्नीचर बनाने का काम चल रहा है। जल्दी ही यह मार्केट में होगा।इससे वन और लकड़ियों का दोहन रुकेगा। उन्होंने कहा आने वाला दशक गोबर की सामग्री का ही होगा। इससे बहुत बड़ा वर्ग स्वरोजगार से जुड़ेगा।

ठंड में जरुरतमंदों को बांटे कंबल

जरुरतमंदों को कंबल वितरित करती हुई आकांक्षा मलैया। • नवदुनिया

सागर। स्व. कुंदनलाल सिंघई संस्थापक कारेलाल कुंदनलाल ट्रस्ट द्वारा मंगलवार को कंबल वितरण किया गया। इस पूर्व स्व. निर्मल कुमार जैन व्यवस्थापक कारेलाल कुंदनलाल ट्रस्ट को श्रद्धांजलि दी गई। विचार समिति प्रांगण में विचार मोहल्ला विकास की टीमों के सहयोग से जरुरतमंदों को कंबल वितरण किया गया। इस अवसर पर विनय मलैया ने कहा कि यह एक अच्छी पहल है। ठंड में जरूरतमंदों के लिए एक कंबल एक सेतु का काम करता है। वहीं विचार संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि ठंड में जरूरतमंदों को कंबल प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य है। इस मौके पर भुवनेश सोनी, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, अरविंद अहिरवार, प्रियंका, भाग्यश्री आदि के साथ कई लोग उपस्थित थे।

ऐसे लहराया तिरंगा कि बन गया भारत

सागर. विचार समिति द्वारा भारत के नक्शे के आकार में राष्ट्रीय तिरंगा झंडा हाथों में लेकर मानव श्रृंखला बनाई गई। इस अवसर पर 1100 घरों में समिति द्वारा झंडा वंदन का आयोजन किया गया है। यह आयोजन समिति से जुड़े मोहल्ला परिवारों के सदस्यों द्वारा घर-घर कार्यक्रम के तहत किया गया। हाथों में तिरंगा झंडा लेकर मानव श्रृंखला ग्राम मोठी में बनाई गई। इसमें 73 महिलाएं 73 तिरंगे झंडे लेकर बड़े मैदान में भारत के नक्शे के आकार में खड़ी हुई। इस मनोहारी दृश्य को बनाने में ड्रोन कैमरे की मदद ली गई। समन्वयक निर्मला राजपूत ने बताया कि हमारे ग्राम व आसपास के गांवों से 180 महिलाएं विचार समिति से जुड़ कर कार्य कर रही हैं।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर

सागर 28-01-2022

विचार समिति की 73 महिला सदस्यों ने मानव शृंखला में बनाया भारत का नक्शा, 1100 घरों में भी फहराया तिरंगा

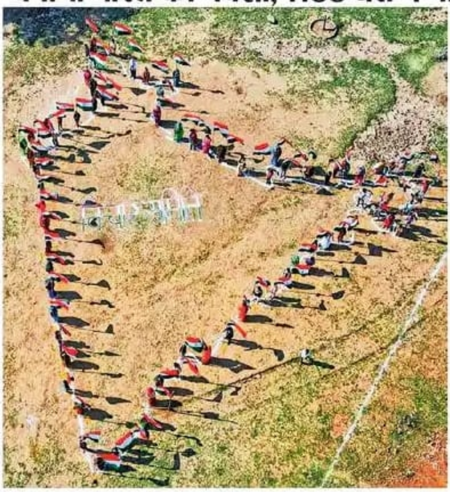

सागर | विचार समिति द्वारा भारत के नक्शे के आकार में तिरंगा झंडा हाथों में लेकर ग्राम मोठी में मानव शृंखला बनाई गई। इस दौरान 110 घरों में समिति द्वारा झंडा वंदन का आयोजन किया गया। आयोजन समिति से जुड़े मोहल्ला परिवारों के सदस्यों द्वारा घर-घर कार्यक्रम के तहत किया गया। इसमें 73 महिला 73 तिरंगे झंडे लेकर बड़े मैदान में भारत के नक्शे के आकार में खड़ी हुई। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि हमारी समिति का उद्देश्य है कि साग वासियों के प्रत्येक परिवार द्वारा घर-घर झंडा वंदन कार्यक्रम किया जाए। विचार समन्वयक निर्मला राजपूत ने बताया कि हमारे गांव और आसपास के गांवों से 180 महिलाएं विचार समिति से जुड़ कर कार्य कर रही हैं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया सहित विचार की पूरी टीम ने देशभक्ति के इस कार्यक्रम में सहयोग दिया।

कंबल वितरण का आयोजन

सागर, देशबन्धु। स्व. कुंदनलाल सिंघई संस्थापक कारेलाल कुंदनलाल ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष कंबल वितरण का आयोजन किया जाता है। यह कंबल वितरण स्व निर्मल कुमार जैन (मुनीम साहब) व्यवस्थापक कारेलाल कुंदनलाल ट्रस्ट को श्रद्धांजलि देते हुए किया जाता है। इस अवसर पर विनय मलैया ने कहा यह एक अच्छी पहल है। ठंड में जरूरतमंदों के लिए एक कंबल एक सेतु का काम करता है। वहीं विचार संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया ठंड में जरूरतमंदों को कंबल प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य है। इसके लिए सभी को आगे आना चाहिए, ताकि जरूरतमंद लोग भी सर्दी में चैन की नींद सो सकें।

पीपुल्स समाचार

जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए

सागर। स्व. कुंदनलाल सिंघई संस्थापक कारेलाल कुंदनलाल ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष कंबल वितरण का आयोजन किया जाता है। यह कंबल वितरण स्व निर्मल कुमार जैन व्यवस्थापक कारेलाल कुंदनलाल ट्रस्ट को श्रद्धांजलि देते हुए किया जाता है। इस वर्ष भी विचार समिति प्रांगण में विचार मोहल्ला विकास की टीमों के सहयोग से जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया। इस अवसर पर विनय मलैया ने कहा कि यह एक अच्छी पहल है। ठंड में जरूरतमंदों के लिए एक कंबल एक सेतु का काम करता है। इस पुनीत कार्य में भुवनेश सोनी, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, अरविंद अहिरवार, प्रियंका, भाग्यश्री आदि उपस्थित थीं।

गणतंत्र दिवस पर विचार समिति की महिलाओं ने तिरंगा लहराकर बनाया भारत का नक्शा

आचरण संवाददाता।

सागर। विचार समिति द्वारा भारत के नक्शे के आकार में राष्ट्रीय तिरंगा झंडा हाथों में लेकर मानव श्रृंखला बनाई गई। इस अवसर पर 1100 घरों में समिति द्वारा झंडा वंदन का आयोजन किया गया है। यह आयोजन समिति से जुड़े मोहल्ला परिवारों के सदस्यों द्वारा घर-घर कार्यक्रम के तहत किया गया। कार्यक्रम में कोरोना नियमों का पालन करते हुए गणतंत्र दिवस को परिवार सहित हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया।

हाथों में तिरंगा झंडा लेकर मानव श्रृंखला ग्राम मोठी में बनाई गई। इसमें 73 महिलाएं 73 तिरंगे झंडे लेकर बड़े मैदान में भारत के नक्शे के आकार में खड़ी हुई। इस मनोहारी दृश्य को बनाने में ड्रोन कैमरे की मदद ली गई। कार्यक्रम के पीछे का मुख्य उद्देश्य बताते हुए विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि हमारी समिति का उद्देश्य है सागर वासियों के प्रत्येक परिवार द्वारा घर-घर झंडा वंदन कार्यक्रम किया जाए। जिससे उनके अंदर एक भारत-आत्मनिर्भर भारत की भावना प्रबल हो। साथ ही देश की समृद्धि, खुशहाली व सुरक्षा की हर सागरवासी कामना करें। सागर स्थित ग्राम मोठी निवासी विचार समन्वयक निर्मला राजपूत ने बताया कि हमारे ग्राम व आसपास के गांवों से 180 महिलाएं विचार समिति से जुड़कर कार्य कर रही हैं जिससे समिति के चलने वाले सतत् कार्यक्रमों से महिलाओं का आत्मबल बड़ा है। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि गणतंत्र दिवस के पहले विचार कार्यालय में तैयारियां की गईं। समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि 15 अगस्त को भी ग्यारह सौ जगह झंडावंदन किया गया था। 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर समिति की 73 आत्मनिर्भर महिलाएं भारत के नक्शेनुमा आकार में खड़ी होकर झंडावंदन करें। झंडावंदन के इस पुनीत कार्य में राहुल अहिरवार, माधव यादव, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, प्रियंका कुर्मी, भाग्यश्री राय, जवाहर दाऊ, विनय चौरसिया, अरविंद अहिरवार उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

सागर 05-01-2022

मदद... जरूरतमंदों को कंबल प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य का काम हैः आकांक्षा मलैया

सागर | स्वर्गीय निर्मल कुमार जैन की पुण्यतिथि पर कारेलाल कुंदनलाल ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष कंबल वितरण का आयोजन किया जाता है। मंगलवार को विचार समिति परिसर में विचार मोहल्ला विकास की टीमों के सहयोग से जरूरतमंदों को कंबल बांटे गए। विनय मलैया ने कहा ठंड में जरूरतमंदों के लिए एक कंबल एक सेतु का काम करता है। विचार संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि ठंड में जरूरतमंदों को कंबल प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य का काम है। इसके लिए सभी को आगे आना चाहिए ताकि जरूरतमंद लोग भी सर्दी में चैन की नींद सो सकें। इस दौरान भुवनेश सोनी, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, प्रियंका, भाग्यश्री अरविंद अहिरवार आदि मौजूद थे।

॥विचार समिति॥

(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti

Bank- State Bank of India

Account No.- 37941791894

IFSC code- SBIN0000475

Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi

आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए

QR कोड को स्कैन करें.

BHIM | UPI

VICHAR SAMITI

0980143132

Pay With Any App

G Pay Paytm PhonePe WhatsApp amazon

150+ Apps

Powered By BharatPe

- संपर्क -

Website : vicharsanstha.com

Facebook : Vichar Sanstha

Youtube : Vichar Samachar

Ph. No. : 9575737475, 9009780042, 07582-224488

Address : 258/1, Malgodam Road, Tilakganj Ward, Behind Adinath Cars Pvt. Ltd, Sagar (M.P.) 470002